# अधिगम कर्त्ता एवं अधिगम प्रक्रिया का बोध

## (UNDERSTANDING THE LEARNER AND LEARNING PROCESS)

नवजात शिशु जन्म के समय असहाय अवस्था में रहता है। वह दूसरों पर निर्भर रहता है। कालान्तर में वही शिशु अनेक चीजें सीख जाता है। सीखने की प्रक्रिया जीवन-पर्यन्त चलती रहती है। अधिगम अर्थात सीखना प्राणियों का एक जन्मजात गुण है। अधिगम एक अत्यधिक व्यापक संकल्पना है। मनुष्य अपने जीवन के प्रारम्भ से लेकर अंत तक कुछ-कुछ सीखता रहता है।

## अधिगम का अर्थ :-
## (MEANING OF LEARNING)

अधिगम किसी स्थिति के प्रति सक्रिय प्रतिक्रिया है। एक बालक जलती हुई मोमबत्ती को छू लेने से जल जाता है। उसके लिए यह पहला कष्ट अनुभव होता है, दूसरी हुई वह मोमबत्ती से दूर रहता है। बालक यह सीख जाता है। लौ को हाथ लगाया जाएगा तो अवश्य ही जल जाने की पीड़ा उठानी पड़ेगी। इस प्रकार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से एक व्यक्ति के व्यवहार में आपेक्षिक परिवर्तन होते रहते हैं। 'अनुभव द्वारा व्यवहार में होने वाले परिवर्तन को साधारण रूप से सीखने की संज्ञा दी जाती है।
अधिगम पूर्व अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तनशील प्रक्रिया है।

DATE

# अधिगम की परिभाषाएँ :-
## (DEFINITIONS of LEARNING)

Notes

1- गेट्स के अनुसार - " अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन लाना ही अधिगम होता है "।

"Learning is the modification of Behaviour Through Experience and Training."

2. स्किनर के अनुसार - "सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है"

"Learning is a Process of Progressive Behaviour adaptation."

3- वुडवर्थ के अनुसार - " नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं के प्राप्त करने की प्रक्रिया सीखने की प्रक्रिया है " "The Process of acquiring new Knowledge and new Responces in the Process of Learning."

4- क्रो एवं क्रो के अनुसार - "अधिगम, आदतों, ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन है "

5- ब्लेयर, जोन्स और सिम्पसन के अनुसार - " व्यवहार में कोई परिवर्तन जो अनुभव का परिणाम और उसके फलस्वरूप व्यक्ति आने वाली स्थितियों का भिन्न प्रकार से सामना करता है, अधिगम कहलाता है। " "Any change of Behaviour which is a Result of Experience and which causes People to face Late situation differently may be called Learning."

## अधिगम की प्रकृति :-
## (NATURE OF LEARNING)

1- अधिगम एक सार्वभौम प्रक्रिया है।
2- अधिगम व्यक्ति की क्रियाशीलता पर निर्भर होता है।
3. अधिगम सीखने की प्रक्रिया है, जहाँ व्यक्ति को स्व-प्रयास करना पड़ता है।
4- अधिगम, व्यक्ति के वातावरण के अनुरूप व्यक्ति में परिवर्तन लाता है। ये परिवर्तन स्थायी अस्थायी होता है।

Scanned with CamScanner

5- अधिगम सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनो ही सकता है।
6- अधिगम व्यवहार में परिवर्तन की मानवीय क्रिया है।
7- अधिगम प्रक्रिया उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया है।
8- अधिगम व्यक्ति को आवश्यक समायोजन और ग्राह्यता के लिए तैयार किया जाता है।
9- अधिगम स्थान किया नहीं है।
10- परिपक्वता, थकान, बीमारी, नशे आदि के कारण व्यवहार में परिवर्तन का अधिगम से कोई सम्बन्ध नहीं होता है।

## अधिगम की विशेषताएँ (CHARACTERISTICS of LEARNING)

1- अधिगम परिवर्तन है।
2- अधिगम सम्पूर्ण जीवन चलता है।
3- सीखना विकास है।
4- सीखना अनुकूलन है।
5- सीखना सार्वभौमिक है।
6- सीखना नया कार्य करना है।
7- सीखना अनुभवों का संगठन है।
8- सीखना उद्देश्यपूर्ण है।
9- सीखना विवेक पूर्ण है।
10- सीखना सक्रियता है।
11- सीखना व्यक्तिगत और सामाजिक दोनो है।
12- सीखना वातावरण की उपज है।

## अधिगम के प्रकार (Types of Learning)

सीखने के सिद्धान्तों, विधियों, सीखने की सामग्री, और सीखने का वेग आदि को ध्यान में रखते हुए मनोवैज्ञानिकों ने सीखने अथवा अधिगम के प्रकारों के के लिए कई वर्गीकरण किये है।

Scanned with CamScanner

निम्न प्रकार वर्गीकरण किये गये हैं।

संवेदन गति सीखना (Sensory Motor Learning)
गामक सीखना (Motor Learning)
बौद्धिक सीखना (Intellectual Learning)

संवेदनगति सीखना → संवेदन गति सीखने की प्रक्रिया में कौशल अर्जन सम्बन्धी ज्ञान आता है। इसे व्यक्ति द्वारा विभिन्न प्रकार की कुशलताएं अर्जित किया जाता है
जैसे- तैरना, पेड़ पर चढ़ना, बाइक चलाना, टाइपिंग करना चित्र बनाना आदि

गामक सीखना
इस प्रकार सीखने की प्रक्रिया में व्यक्ति विकास की प्रारम्भिक अवस्था शरीर में संचालन एवं गति पर नियन्त्रण करना सीखता है।

बौद्धिक सीखना
इसके अन्तर्गत ज्ञानोपार्जन सम्बन्धी समस्त क्रियाएं आती हैं। ये निम्नवत हैं।
1- प्रत्यक्षीकरण
2. सम्प्रत्ययात्मक सीखना
3. सहचर्यात्मक सीखना
4- रसानुभूतिपरक सीखना

प्रत्यक्षीकरण - इस प्रकार के सीखने में व्यक्ति इन्द्रियों की सहायता से पदार्थ और बाह्य घटनाओं या तथ्यों को जानने की क्रिया करता है यह एक मानसिक क्रिया है। इनमें निम्न क्रियाएं सम्मिलित हैं, जैसे किसी उत्तेजक का उपस्थित होना, उत्तेजक के ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करना उत्तेजक अनुभव को मस्तिष्क में स्थित बोध केन्द्र तक पहुंचाना संवेदन का अर्थ जुड़कर प्रत्यक्षीकरण होना

Scanned with CamScanner

सम्प्रत्यात्मक सीखना :- इस प्रकार के सीखने में व्यक्ति को तर्क, कल्पना, और चिन्तन का सहारा लेना पड़ता है। सम्प्रत्य निर्माण प्रत्यक्षीकरण के बाद विभिन्न वस्तुओं का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त कर व्यक्ति उनके गुणों का विश्लेषण करता है। और उनमे तुलना करता है। इस प्रकार की वस्तुओं की जानकारी प्राप्त कर लेता है। और उसके गुणों से परिचित हो जाता है।

(iii) साहचर्यात्मक सीखना :- इस प्रकार के सीखने में स्मृति का महत्वपूर्ण स्थान होता है। जब दो या दो से अधिक वस्तुएँ व्यक्तियाँ या तथ्यों में पूर्ण अथवा आंशिक रूप मे समानता होती है या असमानता होती है, तो एक वस्तु व्यक्ति अथवा तथ्य के स्मरण से ~~पूर्ण अथवा आंशिक रूप से~~ दूसरे का स्मरण स्वयं हो जाता है।

(iv) रसानुभूतिपरक सीखना :- इस प्रकार के सीखने में बालक और व्यक्ति संवेगात्मक अनुभूति से सीखते हैं। भावात्मक वर्णन या परिदृश्य से अभिभूत होकर वह सम्बन्धी गुणों को सीखता है।

1- सरल अधिगम या सीखना
2. कठिन सीखना
3. आकस्मिक सीखना
4. उद्देश्य पूर्ण सीखना

DATE

Scanned with CamScanner

Notes

# अधिगम के उद्देश्य व महत्व
## (Aims and Importance of Learning)

1- व्यवहार में परिवर्तन - सीखना व्यवहार में ~~आने की~~ परिवर्तन लाने की प्रक्रिया जो व्यक्ति कुछ भी सीखता है। उसके बाद उसके व्यवहार में परिवर्तन होता है, इसके द्वारा व्यक्ति में वांछित व्यवहार परिवर्तन भी किया जाता है। सीखने की प्रक्रिया में व्यक्ति के व्यवहार में उनके तीनों ही पक्षों - ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक में परिवर्तन लाया जा सकता है।

2. शिक्षण - अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति - सीखने की प्रक्रिया में बालक के लिए निर्धारित शिक्षण अधिगम के उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है। इस परिवर्तन प्रक्रिया में बालक को शिक्षण अधिगम परिस्थितियों में परिवर्तन लाया जा सकता है। इन परिवर्तनों में बालक नये ज्ञान, कौशल, अनुप्रयोग, अभिरुचि एवं अभिरुचियों को सीखता है।

ज्ञान, कौशल, आदत, अभिवृत्ति व मूल्यों का अधि
(LEARNING AND KNOWLEDGE, SKILL, HABIT, ATTITUDE AND VALUES)

बाल के व्यवहार में किस तरह परिवर्तन किया जाय इसके लिए आवश्यक है कि बालक के व्यवहार तथा किसी उत्तेजक के प्रति अनुक्रिया करने की प्रक्रिया को समझा जाय जो बालक के व्यवहार को रेखांकित करे

ज्ञान → कौशल → आदत या व्यवहार

DATE

Scanned with CamScanner